1. डॉ. सिद्धय्या पुराणिक जी का जीवन - वृत्त

1918 जन्म, 18-6-1918, कोप्पळ जिला, यलबुरगी तालूक
द्यांपुर में। पिता कल्लिनाथ शास्त्रीजी , माँ दानम्माजी।

1932 'बेळगु' कविता रचना।

1937 हर्डेकर मंजप्पा जी के साथ आलमट्टी में रहे

1943 तहसीलदार प्रशिक्षण, नांदेड, हैदराबाद

1944 विवाह (11.5.1994) में गिरिजादेवी जी के साथ

1944 असिस्टेंट कलेक्टर, नांदेड

1945 असिस्टेंट कलेक्टर, भूमि रिकार्ड विभाग, गुलबर्गा

1948 असिस्टेंट कमीशनर (जागीरात्)

1951 असिस्टेंट कलेक्टर, रेविन्यू सेक्रेटरी, हैदराबाद संस्थान

1952 स्थानिक स्वराज्य शासनमंत्री के सचिव

1953 कृषि योजना और आपूर्ति इलाखा के मंत्री के सचिव

1955 डेप्यूटी कलेक्टर, तांडूर

1957 डेप्यूटी कलेक्टर, यादगिरि

1958 भारतीय नागरीक सेवा (आई.ए.एस)

1960 शिक्षा विभाग में डेप्यूटी सेक्रेटरी

1962 निदेशक, सूचना और पर्यटन विभाग

1964 अर्थ विभाग में डेप्यूटी सेक्रेटरी, स्वर्ण नियंत्रणाधिकारी

1965 डेप्यूटी कमीशनर, मडिकेरी

1967 यातायात कमिशनर, बेंगलूर

1970 डेप्यूटी कमिशनर, बेलगाँव

1972 लेबर कमिशनर, बेंगलूर

1974 राज्य साहित्य अकाडेमी पुरस्कार

1976 कर्नाटक विश्वविद्यालय से मानद डाक्टरेट पद

1976 सेवा निवृत्ति और विश्रांत जीवन

1978 'वचनोद्यान' कृति के लिए राज्य साहित्य अकादमी से अत्युत्तम पुस्तक पुरस्कार

1979 शोध और प्रकाशन विभाग के निदेशक, बसव समिति : बसव पथ (कन्नड मासिक, बसव जर्नल (अंग्रेजी त्रैमासिक) पत्रिकाओं के प्रधान संपादक।

1980 बिल्वार पुरस्कार (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता) 'वचनोद्यान' कृति को।

1981 माळवाड पुरस्कार (कर्नाटक विश्वविद्यालय)

1981 राज्य स्तरीय अभिनंदन समिति से सत्कार, अभिनंदन ग्रंथ, निधि समर्पण

1982 कन्नड राज्योत्सव प्रशस्ति

1983 'वचन नंदन' प्रकाशित

1985 द्वितीय बाल साहित्य सम्मेलन (धारवाड) की अध्यक्षता।

1987 गुलबर्गा में संपन्न कन्नड साहित्य परिषद् के 58वाँ अखिल भारत कन्नड साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष।

1994 'वचन ब्रह्म' ख़िताब - कला ज्योति मित्र संघ और सर्वज्ञ कला निकेतन, बेंगलूर।

1994 मृत्यु (5-9-1994)